विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक

शनिवार, 18 अगस्त 2018, दोपहर 3.00 बजे

विद्या आश्रम, सारनाथ

उपस्थित सदस्य: प्रेमलता सिंह, चित्रा सहस्रबुद्धे, लक्ष्मण प्रसाद, एहसान अली
कार्यवाही : विद्या आश्रम परिसर पर शनिवार, 18 अगस्त 2018 को दोपहर 3.00 बजे विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक आरम्भ हुई. बैठक की अध्यक्षता आश्रम समन्वयक चित्रा सहस्रबुद्धे ने की. बैठक की शुरुआत 20 जनवरी 2018 को बंगलुरु में हुई विद्या आश्रम न्यास और विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रस्तुति के साथ हुई. देश में दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे असहिष्णु माहौल, धार्मिक व जातिगत कट्टरता की आक्रामक घटनाएं, स्त्रियों पर बढती जा रही दुर्व्यवहार और बलात्कार की घटनाएं, गो-रक्षा के नाम पर हो रही मनुष्यों की भीड द्वारा मनुष्य की हत्याएं, बढ़ता हिंसक व अविश्वास का माहौल आदि, इन सभी घटनाओं के प्रति सदस्यों ने चिंता प्रकट की. समाज में बढती जा रही गरीबी और गैर-बराबरी के प्रति सरकारों का बेरूख व गैरजिम्मेदाराना व्यवहार इस देश और जनता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. ऐसे में भाईचारा, आपसी प्रेम और एक दूसरे की ज़रूरत के लिए जाति और धर्म के भेद से ऊपर उठ कर आगे आना होगा. बराबरी, प्रेम और भाईचारा बनाने की ऐसी पहल में विद्या आश्रम की भागीदारी होनी चाहिए, इस पर सहमति बनी.

हर वर्ष की तरह शरद पूर्णिमा के दिन वाराणसी में गंगाजी के तट पर एक ज्ञान-पंचायत करने का निर्णय लिया गया. यह ज्ञान-पंचायत 'सभी की आय सरकारी कर्मचारी जैसी हो' इस मांग के दर्शन, नीति, व्यवस्था और कानून के पक्षों पर विस्तार से चर्चा के लिए है. इस ज्ञान पंचायत को समान विचार के संगठन मिलकर आयोजित करें ऐसे प्रयास किये जायेंगे. अब तक किये गए प्रयासों में इलाहबाद के स्वराज विद्यापीठ (आज़ादी बचाओ आन्दोलन), भारतीय किसान यूनियन वाराणसी मण्डल, कारीगर नजरिया और शोषित समाज दल से चल रही बातचीत से बैठक को अवगत कराया गया. हैदराबाद से बी.कृष्णराजुलु द्वारा ई-मेल से भेजे सुझावों को बैठक में रखा गया. यह तय किया गया कि इस ज्ञान-पंचायत को आयोजित करने के प्रयासों को तेज़ किया जाए.

लोकविद्या जन आन्दोलन का नेतृत्व इंदौर के संजीव दाजी को सौंपने के सम्बन्ध में कई दिनों से बात चलती रही है. बी. कृष्णराजुलु ने खबर की है कि इसके लिए इंदौर में एक ज्ञान-पंचायत सितम्बर के अंत में की जाएगी जिसमें नेतृत्व तय होगा.

24 अक्तूबर को वाराणसी में होने वाली ज्ञान-पंचायत के लिए कुछ प्रकाशन किये जाने चाहिए ऐसी बैठक की राय बनी. वाराणसी से 'कारीगर नजरिया' का एक अंक अक्तूबर के

शुरू में प्रकाशित करने पर सहमति बनी. इसके अलावा कुछ छोटी पुस्तिकाओं का प्रकाशन होना चाहिए.

विद्या आश्रम, वाराणसी के कुछ कार्यकर्ताओं को आंशिक से पूर्णकालिक कार्य के लिए मानदेय की व्यवस्था है. पिछले दो-तीन वर्षों से कोई बढ़ोत्तरी नहीं की जा सकी है. इस वर्ष प्रत्येक व्यक्ति के मानदेय में रु. 500 की वृद्धि पर सहमति बनी. यह वृद्धि अप्रैल 2018 से की जाएगी.

इस वर्ष 'दर्शन अखाड़ा' नाम से एक नया ब्लॉग शुरू कर दिया गया है, जिसका प्रबंधन अभिजित मित्रा करते हैं. विद्या आश्रम के अन्य सभी आनलाइन साईट अभिजित मित्रा ही देखते हैं.

विद्या आश्रम परिसर पर बिजली की व्यवस्थाओं का मरम्मत एवं पुनर्निर्माण का कार्य काफी कुछ हो गया है. भवन के अन्दर के कुछ जर्जर तारों को हटाकर नया लगाने का काम आगामी अक्तूबर तक पूरा हो जायेगा.

बैठक को यह सूचित किया गया कि 20 जनवरी 2018 को बंगलुरु में हुई विद्या आश्रम न्यास की बैठक में हुए निर्णय के अनुसार दिलीप कुमार द्वारा किये गए दुर्व्यवहार के चलते उनकी आश्रम की सदस्यता से उनका लिखित इस्तीफा ले लिया गया है.

लोकविद्या सत्संग के कार्यक्रमों का सिलसिला वाराणसी में चलाया जायेगा इस निर्णय के साथ बैठक का समापन हुआ.

कार्यकारिणी की इस बैठक में जो सदस्य वाराणसी नहीं आ सके उनसे उनके सुझाव ई-मेल से भेजेने का अनुरोध किया गया था. उनके सुझाव बैठक में रखे गए.

चित्रा सहस्रबुद्धे

समन्वयक, विद्या आश्रम